first in the malnourished and hungry people who number 210 million. In spite of the claimed increase in the production of food-grains, the number of hungry and malnourshed is also increasing.

This phenomenon of hunger in the midst of plenty is due to the population explosion. Unless we are successful in achieving zero growth rate of population, the fruits of development will never reach the poor.

Success and failure of Family planning programme is closely related to the status of women in the society. Traditional beliefs and undue importance to the son in the Indian society and prejudices against and misconception of men about vasectomy, are the major reasons for not achieving the desired target of bringing down the population growth-rate. So long as such beliefs persist, couples will continue to give birth to a number of daughters till they get a son and men would not come forward to undergo vasectomy.

I would, therefore, request the Government to consider to award a golden card to the couples who limit their families after one or two daughters and also after guaranteeing old age security.

(vi) Need to construct dams on rivers where floods cause a great havoc

श्री राम लाल राही (मिसरिख) : उपाध्यक्ष महोदय, भारत जैसे देश में निरन्तर बढ़ते हुए बाढ़ प्रकोप के कारण नदियों के किनारे बसने वाले हजारों गांवों एवं नगरों की जनता को भी बाढ़ संकट झेलने के लिये विवश होना पड़ता है। सैंकड़ों व्यक्ति, पशु हर वर्ष मरते हैं, लाखों मीट्रिक टन खड़ी एवं पकी फसलें नेस्तनाबूद हो किसान की कमर तोड़ देती हैं।

उत्तर प्रदेश के जनपद सीतापुर व उसके पास पड़ोस के अनेकों जनपद छोटी बड़ी नदियों से घिरे हैं। हर एक दो किलोमीटर पर कोई न कोई नदी छोटी बड़ी इस गाजरी क्षेत्र में है। बाढ़ प्रकोपों को रोकने के लिए केन्द्रीय जल आयोग तथा कृषि सिंचाई विभाग से संबंधित अनेकों अध्ययन दल बाढ़ग्रस्त क्षेत्र तथा राहत कार्यों के अध्ययन के लिये जाते हैं पर बाढ़ का स्थायी हल ढूंढने में कोई ठोस योजना बनाने में सरकार अभी तक असफल रही है। कुछ आटा, मिट्टी का तेल तथा नावों से बाढ़ में फंसे लोगों को निकालना व सेना को लगा देना ही केन्द्र व प्रदेशीय सरकारें समझती हैं कि हमने अपने कर्तव्य का पालन कर दिया। यह क्रम भी वर्षों से चल रहा है।

मेरी समझ से बाढ़ की विभीषिका का फैलाव बहुत दूर तक इसलिए भी हो गया है क्योंकि छोटी बड़ी सभी नदियों का धरातल मिट्टी से पटता जा रहा है, नदियां उथली हो गयी हैं। मेरी राय में जब तक नदियों को गहरा कराने, उनकी मिट्टी को निकाल कर किनारे बांधने और किनारों पर झाड़दार तथा बड़े वृक्षों के लगाने से मिट्टी के कटाव के रोकने के उपाय नहीं किये जाते तब तक बाढ़ की विभीषिका से बचना संभव नहीं।

मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि वह इस दिशा में सर्वे करा कर एक बृहद योजना बनाये, यही बाढ़ से स्थाई रूप से बचने का उपाय है। इससे जहां बाढ़ से बचाव हो सकेगा, वहीं वृक्षारोपण की योजना सफल होगी तथा नदियों में सदा के लिये पानी रहेगा जो सिंचाई, मछली-पालन आदि कार्यों में उपयोग में आयेगा। इससे राष्ट्र की समृद्धि होगी।

(vii) Need to provide stable telecommunication facilities in flood prone coastal areas of Orissa

SHRI ARJUN SETHI (Bhadrak) : The House is well aware of the fact that the coastal districts of Orissa are prone to floods and cyclone almost every year. It has been the experience in the past that in the absence of stable telecommuncation facilites, dissemination of timely warning and ralief operations have been handicapped. This matter was brought to the notice of the Union Minister for Communications when he visited the State after the disastrous cyclone in 1982. It was requested that U. H. F. system should be provided on a number of intra-district and inter-district routes besides